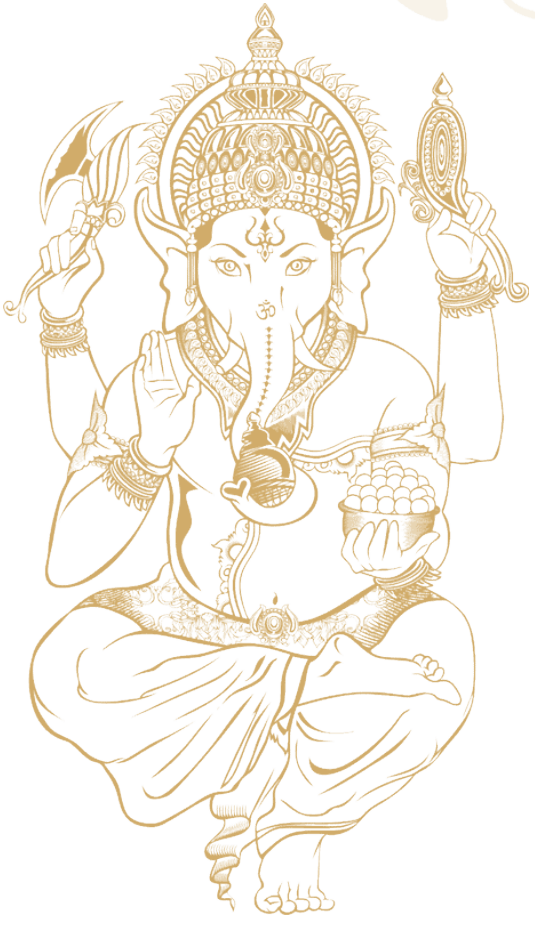

Saurabh

10 Jan 1992

07:16 AM

Banswara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121649906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/01/1992**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**07:16:00 घंटे**
इष्ट	59:59:49 घटी
स्थान	**Banswara**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	23:32:00 उत्तर
रेखांश	74:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:43:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:48 घंटे
साम्पातिक काल	13:59:16 घंटे
सूर्योदय	07:16:04 घंटे
सूर्यास्त	18:02:00 घंटे
दिनमान	10:45:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:18:41 धनु
लग्न के अंश	24:18:57 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	24:18:57	360:42:14	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			धनु	25:18:41	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	20:41:00	12:04:39	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			धनु	06:44:37	00:44:31	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			धनु	06:14:59	01:24:14	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	20:42:37	00:01:59	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	17:40:05	01:12:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
शनि			मक	13:08:17	00:06:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		धनु	16:02:42	00:01:06	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	नीच राशि
केतु	व		मिथु	16:02:42	00:01:06	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	20:28:18	00:03:35	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:48:34	00:02:17	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	28:35:37	00:01:33	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	08:14:47	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:02

लग्न-चलित

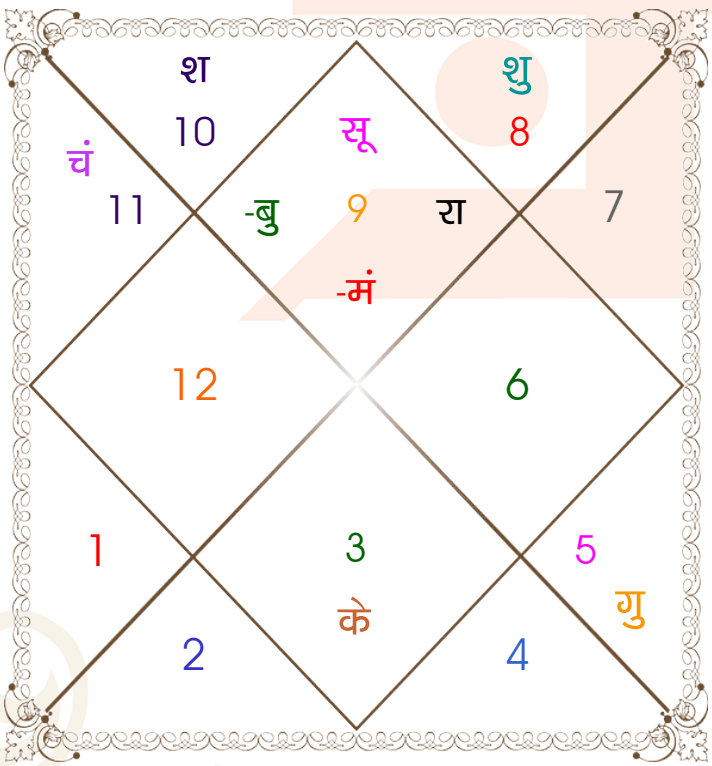

चन्द्र कुंडली

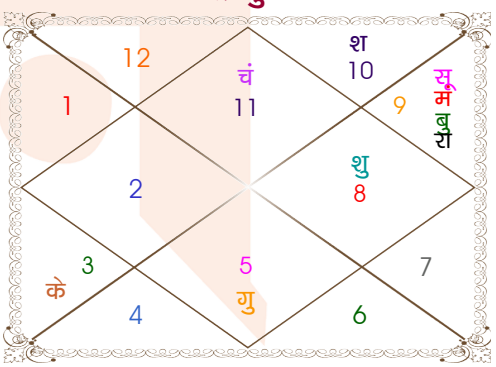

नवमांश कुंडली

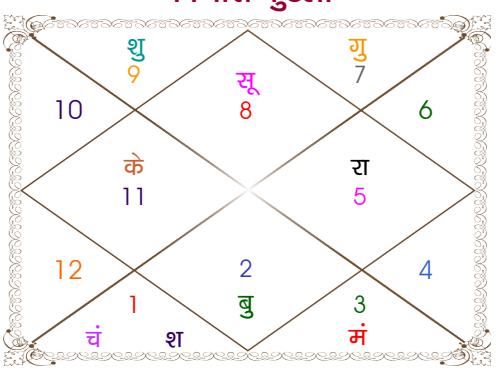

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 2 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/01/1992		16/03/2007		16/03/2026		16/03/2043		16/03/2050	
16/03/2007		16/03/2026		16/03/2043		16/03/2050		16/03/2070	
गुरु	03/05/1993	शनि	19/03/2010	बुध	12/08/2028	केतु	12/08/2043	शुक्र	15/07/2053
शनि	15/11/1995	बुध	26/11/2012	केतु	09/08/2029	शुक्र	12/10/2044	सूर्य	16/07/2054
बुध	20/02/1998	केतु	05/01/2014	शुक्र	09/06/2032	सूर्य	16/02/2045	चंद्र	15/03/2056
केतु	27/01/1999	शुक्र	07/03/2017	सूर्य	15/04/2033	चंद्र	17/09/2045	मंगल	16/05/2057
शुक्र	27/09/2001	सूर्य	17/02/2018	चंद्र	15/09/2034	मंगल	14/02/2046	राहु	15/05/2060
सूर्य	16/07/2002	चंद्र	18/09/2019	मंगल	12/09/2035	राहु	04/03/2047	गुरु	14/01/2063
चंद्र	15/11/2003	मंगल	27/10/2020	राहु	31/03/2038	गुरु	08/02/2048	शनि	16/03/2066
मंगल	21/10/2004	राहु	03/09/2023	गुरु	06/07/2040	शनि	19/03/2049	बुध	14/01/2069
राहु	16/03/2007	गुरु	16/03/2026	शनि	16/03/2043	बुध	16/03/2050	केतु	16/03/2070

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/03/2070		15/03/2076		16/03/2086		16/03/2093		17/03/2111	
15/03/2076		16/03/2086		16/03/2093		17/03/2111		00/00/0000	
सूर्य	04/07/2070	चंद्र	14/01/2077	मंगल	12/08/2086	राहु	27/11/2095	गुरु	11/01/2112
चंद्र	02/01/2071	मंगल	15/08/2077	राहु	31/08/2087	गुरु	22/04/2098		00/00/0000
मंगल	10/05/2071	राहु	14/02/2079	गुरु	06/08/2088	शनि	26/02/2101		00/00/0000
राहु	03/04/2072	गुरु	15/06/2080	शनि	14/09/2089	बुध	16/09/2103		00/00/0000
गुरु	20/01/2073	शनि	14/01/2082	बुध	12/09/2090	केतु	03/10/2104		00/00/0000
शनि	02/01/2074	बुध	16/06/2083	केतु	08/02/2091	शुक्र	04/10/2107		00/00/0000
बुध	08/11/2074	केतु	15/01/2084	शुक्र	09/04/2092	सूर्य	28/08/2108		00/00/0000
केतु	16/03/2075	शुक्र	14/09/2085	सूर्य	15/08/2092	चंद्र	27/02/2110		00/00/0000
शुक्र	15/03/2076	सूर्य	16/03/2086	चंद्र	16/03/2093	मंगल	17/03/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 2 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।